वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 125 | शनिवार 2 सितम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

महावीर पब्लिक स्कूल में दसवीं "अंतर्विद्यालयी कथक-नृत्य-प्रतियोगिता" का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर पब्लिक स्कूल में प्रसिद्ध कत्थक गुरु स्व. बाबूलाल पाटनी की मधुर स्मृति में महावीर पब्लिक स्कूल एवं श्रीमती ललिता देवी रामचंद्र कासलीवाल एजुकेशनल एण्डॉवमेंट द्वारा प्रायोजित अंतर्विद्यालयी कत्थक-नृत्य-प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम का आरंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। शिक्षा परिषद् के अध्यक्ष उमराव मल संघी, उपाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार पांड्या,मानद् मंत्री सुनील बख्शी, संयुक्त सचिव कमल बाबू जैन,कोषाध्यक्ष महेश काला, संयोजक सुदीप ठोलिया, वरिष्ठ अधिवक्ता सुधांशु कासलीवाल द्वारा मुख्य अतिथि डॉ. बी.डी. कल्ला, शिक्षा, कला, साहित्य, संस्कृति एवं ए.एस.आई. मंत्री, राजस्थान एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष एन. के. जैन सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधिपति का माल्यार्पण कर, साफा पहनाकर व शॉल ओढ़ाकर भावभीन स्वागत किया गया। महावीर पब्लिक स्कूल की प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन, श्रीमती ऋतु कासलीवाल एवं डॉ. मीनाक्षी नायर ने डॉ. गीता रघुवीर, श्रीमती स्वाति अग्रवाल एवं श्रीमती अनिता उड़िया जी (निर्णायक मंडल) का पुष्पगुच्छ भेंट करके स्वागत किया। इस प्रतियोगिता में 8 विद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। मुस्कान फाउंडेशन की संस्थापिका श्रीमती मृदुल भसीन ने प्रस्तुतिकताओं, निर्णायकगणों एवं प्रसिद्ध कत्थक गुरु स्वर्गीय बाबूलाल जी पाटनी का संक्षिप्त परिचय दिया।विद्यालय के मानद् मंत्री सुनील बख्शी द्वारा सभासीन सभी सम्माननीय जनों का स्वागत किया । श्रीमती मीनाक्षी नायर द्वारा श्रीमती ललिता देवी कासलीवाल के प्रभावपूर्ण जीवन परिचय से अवगत करवाने के पश्चात प्रसिद्ध कत्थक नृत्यांगना डॉ. गीता रघुवीर द्वारा ईश वंदना प्रस्तुत की गई। विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं द्वारा दी गई प्रस्तुतियां दर्शनीय थीं। विशेष प्रस्तुति हेतु श्रीमती ऋतु कासलीवाल एवं उपाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार पांड्या ने श्रीमती अदिति सोगानी का तथा प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन एवं संयोजक सुदीप ठोलिया ने श्रीमती रेखा ठाकुर का समस्त टीम सहित पुष्पगुच्छ भेंट करके मंच पर स्वागत किया। जयपुर घराने की प्रसिद्ध कत्थक नृत्यांगनाओं श्रीमती अदिति सोगानी एवं श्रीमती रेखा ठाकुर द्वारा दी गई विशेष प्रस्तुतियों ने दर्शकगणों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इनमें द्रौपदी चीर हरण

तथा मीरा भजन पर प्रस्तुत नृत्य भंगिमाएं विशेष रूप दर्शनीय थीं । विद्यालय के अध्यक्ष उमराव मल संघी द्वारा सभा को संबोधित किया गया। एनजीओ मुस्कान द्वारा 11000/- का दूर्वा भसीन मेमोरियल पुरस्कार व ट्रॉफी प्रथम विजेता सुश्री अनिता पारीक , महाराजा सवाई भवानी सिंह स्कूल , जयपुर को दिया गया। सुधांशु कासलीवाल, ट्रस्टी श्रीमती ललिता देवी रामचंद्र कासलीवाल एजुकेशनल एण्डॉवमेंट द्वारा 7500/- का द्वितीय पुरस्कार व ट्रॉफी सुश्री गौर्वी गुप्ता, द पैलेस स्कूल, जयपुर को , 5000/- का तृतीय पुरस्कार व ट्रॉफी तनिष्का श्रीवास्तव, विद्याश्रम स्कूल ,जयपुर को , 2500/- का सांत्वना पुरस्कार हिमानी प्रजापति ,एम.जी.डी. गर्ल्स स्कूल, जयपुर को एवं सुधांशु कासलीवाल की ओर से 1100/- 1100/- के प्रतिभागिता पुरस्कार एवं ट्रॉफी प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त मीनाक्षी नायर द्वारा 11000/- का नगद 'गुरु अवार्ड पुरस्कार' प्रथम विजेता अनिता पारीक के गुरु नमिता पारीक को दिया गया व डॉ. गीता रघुवीर द्वारा 5100/- का बेस्ट ''भावाभिव्यक्ति पुरस्कार'' प्रियाशा खंडेलवाल, जय श्री पेरिवाल हाईस्कूल, जयपुर को दिया गया। इस शुभावसर पर शहर के प्रसिद्ध कलाकार व गणमान्य अतिथि भी उपस्थित थे।

देव शास्त्र गुरु की रक्षा के बांधे गये संकल्प सूत्र

अकम्पनाचार्य संघ के 700 मुनियों के चढ़ाये अर्घ्य. तीर्थंकर श्रेयांश नाथ का मनाया निर्वाणोत्सव, विशेष मति माताजी के सानिध्य में विशेष पूजन विधान

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी- ज्योति नगर जैन मन्दिर में बुधवार को प्रातः नित्य अभिषेक ,शान्ति धारा ,व सामूहिक पूजन के बाद आर्यिका विशेष मति माताजी के सानिध्य में तीर्थंकर श्रेयांश नाथ का निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। मन्दिर प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया की शान्तिधारा करने तथा मुख्य निर्वाण लाडू चढ़ाने का सोभाग्य मूल नायक पर त्रय छत्र चढ़ाने वाले सुभाष राजेश गर्ग परिवार फि रोजपुर झिरका वालों को मिला। रक्षा बंधन विधान मण्डल पर चार दिशाओं में चार कलश, मुख्य कलश व अखण्ड ज्योति प्रज्वलन के बाद विष्णु व अकम्पनाचार्य मुनियों की पूजन के साथ सात सो मुनिराजो के श्रीफल सहित सात सो अर्घ्य श्रेष्ठियों द्वारा चढ़ाये गए । अर्घ्य वाचन आर्यिका माताजी , सविता दीदी शिखर चन्द व किरण जैन ने किया। उपस्थित जनों ने भगवान नेमिनाथ के समक्ष संकल्प सूत्र बांध कर देव शास्त्र गुरु की रक्षा का संकल्प कर रक्षा बंधन मनाया। शाम को आरती के बाद 48 दीपक से सामूहिक भक्तामर दीप अर्चना की गयी।

निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने कहा...

कमाई के साथ दान जरूरी है, गन्दगी के साथ स्नान जरूरी है, पाप के साथ पुण्य जरूरी है, संसार के साथ परमार्थ जरूरी है

आगरा. शाबाश इंडिया

निर्यापक मुनिपुगंव श्री सुधासागर जी महाराज ने आगरा के हरीपर्वत स्थित श्री 1008 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के अमृत सुधा सभागार में धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रकृति की कुछ नियत नियम ऐसे है जो हमारे लिए निर्णय लेने में दिक्कत करते है एक ओर प्रकृति ने नियम बनाया तुम अकेले कुछ नही कर सकते हो,इस दुनिया मे जीने के लिए तुम्हे दूसरों का सहारा लेना पड़ेगा,कोई भी हो लेना ही पड़ेगा। वही दूसरी ओर कह दिया जो पर के आलम्बन पर जीता है वो कभी सुखी हो नही सकता, दोनो विरोधी बाते है इन्हें कैसे सुलझाए। एक ओर कह दिया कि माँ-बाप का सहारा लिया बिना जो जीता है जो उद्दंड है, अनाथ है और जो माँ-बाप के सहारे पर जीता है वो पंगु है, असमर्थ है। बस प्रकृति के इस पेंचीदे दाव को सुलझाने के लिए गुरु जिनवाणी जिनेंद्र देव की है। एक निश्चित व्यवस्था में यदि आप ऋण देते है तो कोई पाप नही और आप ऋण लेते है ईमानदारी से कि हम ब्याज भी देगे, हम चुकायेगे भी तो आप कोई पाप नही कर रहे है। व्यापार में चलता है बस नियत साफ रखना। और नियत यदि साफ है तो आपका ये व्यापार ग्राहक व मालिक जो सम्बन्ध है वही ऋण देने व लेने का सम्बंध है। इसमे किंचित मात्र भी पाप नही है बस बेईमानी नही होना चाहिए, लिया है तो दूँगा। ऋण के बिना तो संसार ही नही चलेगा। सहयोग और ऋण दोनो में एक चुनना पड़े तो ऋण को चुनना क्योंकि ऋण तो चुकाने का भाव होता है सहयोग में नही। आप कहेंगे कि बिना एक दूसरे के कैसे चलेगा तो अपन समझते है कि सहयोग लेने का अधिकारी कौन और सहयोग किसे देना चाहिए। सहयोग देना है उसको जो इतना पुण्यहीन है कि वो लौटने में समर्थ नही है, कुछ भी करो उसके पास कुछ है ही नही, देना है तो दो, नही देना है तो मत दो, वो उपकार भी नही मानेगा, मौका पड़े तो उपकारी का भी नाश कर देगा। जिन्दगी भर सबके बीच रहना सरल है लेकिन एक घण्टे अकेले रहना कठिन है, एक दिन भर रहना कठिन है। मौन रहना सौभाग्य है लेकिन हम सौभाग्य में अकुला गए, नही रह पा रहे है। बुरी आदतों से हम बोर नही हुए और अच्छी आदतों से बोर हो गए। क्या है तुम्हारा दुर्भाग्य। मंदिर आने से बोर हुए हो या घर जाने से बोर हुए हो। तीनो संध्याओ में

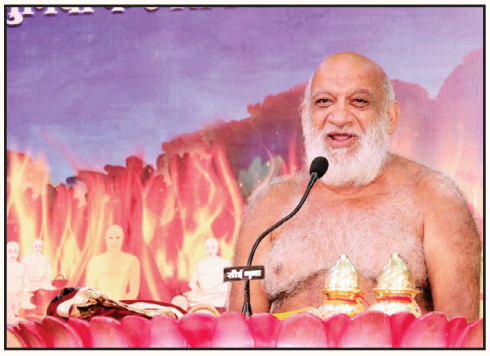

भगवान की पूजा भक्ति कही है ये सौभाग्य है लेकिन इसे लेने के लिए भी पुण्य चाहिए, इस आनंद को लेने के लिए भी योग्यता चाहिए। पूजन करने से तुम बोर हो जाते हो लेकिन रोटी खाने से कि कब तक यही रोटी खाऊंगा। माला गिनते समय तुम्हे नींद आ जाती है और नोट गिनते समय। सौभाग्य के योग्य तुम हो ही नही। बारात में बैंड वालो के लिए जैसे पाप कार्यों में तुम कितने दिलेर हो जाते हो ,एक रात की 4-5 करोड़ो की होटले बुक करते हों। सावधान यदि कमाई की ओर दान नही दिया तो कर्म तुम्हारी किस्मत को सील कर देगा। ये दान तुम्हारे पापों को धोने के लिए स्नान है। कमाई के साथ दान जरूरी है गन्दगी के साथ स्नान जरूरी है पाप के साथ पुण्य जरूरी है, संसार के साथ परमार्थ जरूरी है। जैसे जैसे संसार के खर्च बढ़ते जाए वैसे वैसे धर्म के खर्च भी बढाते जाना महानुभाव। धर्मसभा का संचालन मनोज बाकलीवाल द्वारा किया गयो इस दौरान गुरुदेव के चरणों में बाहर से आए हुए गुरुभक्तों ने श्रीफल भेंटकर मंगल आशीर्वाद प्राप्त कियो धर्मसभा का संचालन मनोज जैन बाकलीवाल द्वारा किया गया। धर्मसभा में अदिति जैन गाजियाबाद द्वारा मंगलाचरण किया गयो धर्मसभा में प्रदीप जैन पीएनसी,निर्मल मोठ्या, मनोज जैन बाकलीवाल नीरज जैन जिनवाणी,पन्नालाल बैनाड़ा, हीरालाल बैनाड़ा,जगदीश प्रसाद जैन, राजेश जैन,ललित जैन, मीडिया प्रभारी आशीष जैन मोनू,राजेश सेठी,शैलेन्द्र जैन,राहुल जैन,शुभम जैन,विवेक बैनाड़ा,अमित जैन बॉबी, पंकज जैन, मुकेश जैन,समकित जैन, अनिल जैन शास्त्री,रूपेश जैन, केके जैन,सचिन जैन,दिलीप कुमार जैन, अंकेश जैन,सचिन जैन,समस्त सकल जैन समाज आगरा के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

शुभम जैन, मीडिया प्रभारी

स्पिक मैके की ओर से जयपुर में कविता द्विबेदी की ओडिसी नृत्य प्रस्तुति

जयपुर. शाबाश इंडिया

स्पिक मैके की ओर से कविता द्विबेदी का जयपुर में ओडिसी नृत्य का कार्यक्रम होगा। जयपुर चैप्टर की को-ऑर्डिनेटर डॉ. मृणाली कांकर ने बताया कि कविता द्विबेदी जयपुर में इस कार्यक्रम की प्रस्तुति शनिवार 2 सितंबर को सुबह 10.30 बजे आई आई एस यूनिवर्सिटी और 1:00 बजे स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में देंगी। कार्यक्रम में उनके साथ मरदाल पर मानस सारंगी, गायन में प्रशांत कुमार एवं सितार पर यार मोहम्मद संगत करेंगे।

अपने कड़वे प्रवचनों से परिवर्तन की अलख जगाने वाले, विशिष्ट चिंतक, श्रेष्ठ संत श्री तरुण सागर जी महाराज की पुण्यतिथि पर सादर नमन

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। पंथ,मत,संतवाद,तेरा मेरा,संकीर्णताओं से दूर रहकर,अत्यंत उदारता पूर्वक भगवान महावीर स्वामी के सिद्धांतो को जन मानस तक पहुंचाने वाले,अपने क्रांतिकारी प्रवचन शैली से लगातार तीन दशकों तक अहिंसा विश्व शांति सत्य के संदेशों को सात समंदर पार तक प्रभावना करने वाले,आचार्य श्री पुष्पदंत सागर जी यतिराज के ज्येष्ठ श्रेष्ठ ओजस्वी लघु नंदन राष्ट्र संत आचार्य श्री तरुण सागर जी के 5वे समाधि दिवस पर कोटिशःशत शत नमन। आज समाधि दिवस पर इंदौर दिगंबर जैन समाज समाजिक सांसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी ,मंत्री डॉ जैनेन्द्र जैन, महावीर ट्रस्ट के अध्यक्ष अमित कासलीवाल, फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका, आजाद जैन, हंसमुख गांधी, राजेश जैन दद्दू, संजीव जैन संजीवनी, परवार समाज महिला संगठन की अध्यक्ष श्रीमती मुक्ता जैन, सारिका जैन, श्रीमती पुष्पा कासलीवाल आदि समाज जन ने उन्हें याद कर विनम्र श्रध्दा सुमन अर्पित किए और कहा कि निश्चित रूप से इस सदी में आप भगवान महावीर के लघु नंद्न ,जैन संत के रूप में पूरे विश्व में अमिट और अत्यंत विख्यात पहचान के रूप में उभरे नमोस्तु शासन जयवंत हो।

वेद ज्ञान

अहंकार पतन का कारण

जंगल के दूसरे किनारे जाती मक्खी को उसी दिशा में अग्रसर एक हाथी दिखा। वह उसके कान पर सवार हो गई। गंतव्य पर पहुंचने पर उसने साथ निभाने और सफर को खुशनुमा बनाने के लिए हाथी को कोटि-कोटि आभार जताया तो हाथी को कान में गुंजन सी महसूस हुई। मक्खी अपने रास्ते चली गई। अहंकार से सराबोर व्यक्ति भी उस मक्खी की भांति अपनी छोटी सी दुनिया को संपूर्ण सृष्टि मान कर आजीवन भ्रम में जीता है। दूसरों के कष्टों, जरूरतों और हर्षोल्लास का उसे अहसास नहीं होता और उनके कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने में वह असमर्थ होता है। सीमित सोच के कारण उसके हृदय में आनंद, उत्साह, प्रेम और शांति के भाव नहीं फूटते। अहंकारी अपने कार्य या निर्णय को सही ठहराने में कोई कसर नहीं छोड़ता, झुकने से उसकी शान घटती है। उसे नहीं कौंधता कि गलती करने पर क्षमायाचना से उसका गलत या दूसरे का सही होना सिद्ध नहीं होता, बल्कि आपसी संबंध सुदृढ़ होते हैं। अपनी बड़ाई सुनते वह नहीं अघाता। उसकी बातें 'मैं' से शुरू हो कर 'मैं' से विस्तार पाती और मैं पर खत्म होती हैं। अपने यांत्रिक आचरण और व्यवहार से अहंकारी व्यक्ति के परिजनों, सहकर्मियों व अन्य साथियों से संबंध होते भी हैं तो केवल सतही। उनमें अंतरंगता या प्रगाढ़ता नहीं होती। किसी से उसे सरोकार रहता है तो उसी हद तक जहां तक निजी स्वार्थ सधते हों। वह किसी को सम्मान नहीं देता, इसीलिए सम्मान पाने का अधिकार खो देता है। दिखावटी प्रतिष्ठा पर इतराता ऐसा व्यक्ति लोगों से अलग-थलग पड़ जाता है और उनकी हार्दिक दुआओं से वंचित रहता है। अहंकार ही शक्तिशाली रावण, दानवीर कर्ण सरीखी विभूतियों के विनाश का कारण बना। जो सच्चे ज्ञानी होते हैं उन्हें अपने ज्ञान पर अहंकार नहीं होता चूंकि उन्हें अपने अज्ञान का पता रहता है। मूर्ख या अहंकारी को अपने सिवा प्रत्येक व्यक्ति में खोट दिखते रहते हैं। जितना तुच्छ बुद्धि उतना अधिक अहंकार। उसका नाम गूगल न हो तो भी वह सब कुछ जानने का स्वांग करता है। कब्रिस्तान के बाहर लिखी यह इबारत उसके पल्ले नहीं पड़ती, सैकड़ों दफन हैं यहां जो सोचते थे कि दुनिया उनके बिना नहीं चल सकती। अहंकार दैविक विधान के प्रतिकूल है, आत्मघाती है, व्यक्ति के पतन का कारण है।

संपादकीय

नागरिकों के बुनियादी अधिकारों का उल्लंघन

कारागारों में मानवीय वातावरण बनाने की सिफारिश लंबे समय से की जाती रही है। इसके मद्देनजर सुधार के कुछ उपाय भी आजमाए जा चुके हैं। जेल नियमावली को मानवीय बनाने का प्रयास किया गया। मगर हकीकत यह है कि जेलों में मिलने वाली यातनाओं, जेल कर्मियों की लापरवाही, बाहरी तनावों और बंदियों के परस्पर संघर्ष की वजह से हर साल सैकड़ों कैदी अपनी जान गंवा देते हैं। जेलों में सुधार संबंधी सिफारिशें देने के मकसद से पांच साल पहले सर्वोच्च न्यायालय ने एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अगुआई में तीन सदस्यों की समिति गठित की थी। उस समिति ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि 2017 से 2021 के बीच जेलों में 817 अप्राकृतिक मौत हुईं, जिनमें से सबसे अधिक मौत की वजह आत्महत्या थी। इस दौरान 660 लोगों ने खुदकुशी कर ली, 41 की हत्या कर दी गई, जबकि 46 आकस्मिक मौत थीं। सात कैदियों की मौत बाहरी तत्त्वों के हमले और जेल कर्मियों की लापरवाही या ज्यादती के कारण हुई। जेलों में खुदकुशी की सबसे अधिक, एक सौ एक, घटनाएं उत्तर प्रदेश में दर्ज हुईं। उसके बाद पंजाब और पश्चिम बंगाल में क्रमशः तिरसठ और साठ कैदियों ने आत्महत्या की। जो प्राकृतिक मौतें हुईं उनमें वृद्धावस्था, बीमारी जैसे कारण थे। वृद्धावस्था के कारण 462 और बीमारी के कारण 7,736 कैदियों की मौत हुई। समिति ने अपनी सिफारिशों में जेलों में कुछ महत्त्वपूर्ण बदलाव के सुझाव देते हुए चिंता जताई है कि हिरासत में कैदियों को यातना और उनकी मौत नागरिकों के बुनियादी अधिकारों का उल्लंघन और मानवीय गरिमा का अपमान है। हालांकि जेलों की दुर्दशा पर अनेक बार चिंता जताई जा चुकी है। सर्वोच्च न्यायालय खुद कई बार कह चुका है कि जेलों में भीड़भाड़ कम करने के लिए विचाराधीन कैदियों के मामलों की त्वरित सुनवाई की जानी चाहिए। ऐसे कैदियों की पहचान कर उन्हें शीघ्र रिहा किया जाना चाहिए जो अपने ऊपर लगे आरोप में तय अधिकतम सजा से अधिक समय जेल में बिता चुके हों। मगर जांच, गवाही, सुनवाई आदि में देरी की वजह से मामूली जुर्म के आरोप में भी बहुत सारे लोग वर्षों विचाराधीन कैदी के रूप में कारागार में बंद रहते हैं। इससे जेलों पर दबाव लगातार बढ़ता गया है। ज्यादातर जेलों में क्षमता से कई गुना अधिक कैदी रखे गए हैं। इस तरह न तो उन्हें बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हो पाती हैं, न उन पर समुचित ध्यान दिया जा पाता है। सुरक्षा में भी इसी वजह से चूक होती है। जेलों का मकसद कैदियों में सुधार की संभावना पैदा करना होता है। बेशक जाने या अनजाने किए किसी जुर्म की वजह से उन्हें जेल में डाल दिया गया हो, मगर वहां भी उन्हें मानवीय गरिमा के साथ जीवन जीने का अधिकार है। यह बात जेल प्रशासन शायद ही कभी ध्यान रखता है। जेलों में दी जाने वाली यातनाएं, उन्हें रहने-खाने, चिकित्सा संबंधी सुविधाओं में घोर उपेक्षा जगजाहिर है। उत्तर प्रदेश इस मामले में सदा से कुख्यात रहा है। हिरासत में होने वाली मौतों के सबसे अधिक मामले वहीं दर्ज होते हैं।

परिदृश्य

कानून और बदमाश

आमतौर पर दिल्ली और उससे जुड़े इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था देश के दूसरे शहरों की तुलना में अधिक चाक-चौबंद मानी जाती है। मगर पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह वहां आपराधिक घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं, उससे पुलिस की नाकामी ही जाहिर होती है। अधिक अपराध वहीं होते हैं, जहां पुलिस का खौफ खत्म हो जाता है। मंगलवार को जिस तरह मामूली कहा-सुनी में चार बदमाशों ने दो लोगों को गोली मार दी, बुधवार को गाजियाबाद के अदालत परिसर में एक वकील को उसके कमरे में घुस कर दो लोगों ने गोली मार दी, उससे एक बार फिर यही रेखांकित हुआ है कि दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बदमाशों को कानून-व्यवस्था का कोई खौफ नहीं रह गया है। पिछले कुछ सालों में ऐसी घटनाएं लगातार बढ़ी हैं, जिनमें अपराधी दिन-दहाड़े वारदात को अंजाम देते और फिर बिना किसी भय के निकल भागते हैं। महिलाओं की सुरक्षा को लेकर किए गए तमाम इंतजाम नाकाफी साबित हो रहे हैं। दिल्ली के भजनपुरा में जिन दो लोगों को गोली मार दी गई, उसमें अपराधियों की गिरफ्तारी के बाद हुए खुलासे और चिंता पैदा करते हैं। उसमें गोली चलाने वाले चारों लड़के अठारह साल के आसपास की उम्र के हैं। पुलिस का कहना है कि घटना एक संकरी गली में दोनों तरफ से आ रहे स्कूटरों के आमने-सामने आ जाने पर कहासुनी होने के बाद घटी थी। जिन लड़कों ने गोली चलाई, दरअसल उनका एक संगठित गिरोह है। उस गिरोह के सरगना की उम्र अभी अठारह साल है और उनके साथ एक इससे कम उम्र का लड़का भी था। ये लड़के इस कदर बेखौफ हैं कि उसके सरगना ने अपने इंस्टाग्राम पर दोनों हाथों में पिस्तौल लेकर तस्वीर साझा की है। कई तस्वीरों में वह पिस्तौल चलाता देखा जा रहा है। एक तरह से वह सिर पर कफन बांध कर अपराध की दुनिया में उतरा है। बताया जा रहा है कि इससे पहले भी चार मामलों में वह आरोपी है। पुलिस के अनुसार बदमाशों का यह इस तरह का अकेला गिरोह नहीं है। ऐसे कई गिरोह दिल्ली में सक्रिय हैं, जिनमें अठारह साल और इससे कम उम्र के लड़के शामिल हैं। हैरानी की बात है कि जो अपराधी सोशल मीडिया पर पिस्तौल के साथ तस्वीरें साझा करते हैं, ऐलानिया अपराध की बात कबूल करते हैं, उन पर भी पुलिस का शिकंजा कैसे नहीं कस पाता। समझना मुश्किल नहीं है कि पुलिस की इसी शिथिलता की वजह से ऐसे बदमाशों का मनोबल बढ़ता गया है। अपराधियों में कानून का भय तब पैदा होता है, जब साजिशों को अंजाम देने से पहले ही पुलिस का हाथ उनकी गर्दन पर पहुंच जाता है। मगर अत्याधुनिक सूचना तकनीक से लैस होने का दावा करने वाली दिल्ली पुलिस और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की पुलिस तो घटना के कई दिन बाद तक अपराधियों की तलाश में भटकती देखी जाती है। उनसे घटना के पहले उन्हें दबोच लेने की उम्मीद करना दूर की बात है। फिर रसूखदार अपराधियों पर उसकी मेहरबानी भी छिपी बात नहीं है। ऐसी स्थिति में भला अपराधियों पर नकेल कसना कहां तक संभव हो सकता है। चिंता की बात है कि अब नाबालिग लड़के भी अपराध को पेशा समझने लगे हैं।

ये मणिकांचन योग मिला है इसका सभी को लाभ लेना है: आचार्य श्री आर्जव सागर जी

लोक कल्याण महा मंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ का हुआ शुभारंभ। श्रावक श्रेष्ठी बनकर शान्ति धारा का सौभाग्य प्राप्त करें: विजय धुर्रा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

ये मणिकंचन योग मिल गया सोलह कारण भावना विधान समवसरण प्रभु की वाणी सुनने का सौभाग्य हमें कब मिला लेकिन आपने यहां जो भव्य समवशरण बनाकर त्रिलोकी नाथ प्रभु को विराजमान कर महा महोत्सव करने की भावना बनाई है। ये अति उत्तम परिणाम है जिन से तीर्थ का उदय होता है वे तीर्थ कर कहलाते हैं तीर्थ कर केसे बनते है तो सोलह कारण भावना भाने से तीर्थकर प्रकृति का वंध होता है ऐसे महान अनुष्ठान में हम अपने भावों को निर्मल करने का पुरूषार्थ करके पुण्य कमाये ये महा सौभाग्य का अवसर है लोक कल्याण की कामना करके शिव पथ पर चलकर का हम मार्ग चुने उक्त आश्य केउद्गार सुभाष गंज मैदान में धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्रीआर्जवसागर जी महाराज ने व्यक्त किए। **ये महोत्सव हम सभी के पुण्य में वृद्धि करेगा:** महोत्सव में मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि परम पूज्य आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज के आशीर्वाद व सानिध्य में आज से शुरू हो रहे लोक कल्याण महा मंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ के प्रथम दिन सौधर्म इन्द्र बनने का सौभाग्य समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल परिवार को एवं चक्रवर्ती बनकर महा पूजा का सौभाग्य राजेश जैन इंडियन को मिला। जिनका सम्मान हमारी कमेटी के महामंत्री राकेश अमरोद, कोषाध्यक्ष सुनील अखाई ,युवा वर्ग के संरक्षण शैलेन्द्र श्रागर, उमेश सिघई, प्रमोद मंगलदीप, राजेन्द्र अमन मेडिकल करेंगे। आचार्य श्री के आशीर्वाद से कल से दो श्रावक श्रेष्ठी को भी मंच पर मंडल के निकट बैठकर विधान करने का सौभाग्य मिलेगा ये महोत्सव हम सभी के पुण्य में श्री वृद्धि करेगा।

यहां दूसरा मौका है जब हम सोलह कारण मना रहे हैं

इस दौरान प्रमोद मंगलदीप ने कहा कि प्रतिदिन नये नये व्यक्तिओ के सौधर्म इन्द्र व चक्रवर्ती बनकर महा महोत्सव में समवशरण के निकट बैठकर महा पूजन करने का सौभाग्य प्राप्त होगा शैलेन्द्र श्रागर ने कहा कि आचार्य महाराज के सान्निध्य में हमने दो हजार पांच में भी सौभाग्य प्राप्त किया था ये दुसरा मौका है जब हम सोलह कारण मना रहे हैं इसके पहले इन्दौर से पधारे प्रतिष्ठाचार्य पारस शास्त्री द्वारा समवशरण व मंडल शुद्धि के साथ महा मंडल पर चार कलशो के साथ शान्ति कलश की स्थापना बृहद मंत्रोच्चार के साथ कराई गई। इसके बाद श्री विधान में मुख्य पात्रो के साथ ही अन्य भक्तों ने मंडल पर श्री फल के साथ अर्घो का समर्पण किया।

जड़ जितनी गहरी होगी वृक्ष उतना ही ऊंचा होगा

आचार्यश्री ने कहाकि जितनी जड़ गहरी होगी वृक्ष भी उतना ही ऊंचा जायेगा ऐसे ही पुण्य जितना होगा उतनी ही राज सम्पदा आपको मिलेगी दर्शनविशुद्ध की भावना से ही तीर्थ कर पद प्रतिष्ठा पाने पहली सीढ़ी है। पुण्य है तो सब चल रहा है इस लिए कहा रहा हूं कि पुण्य के उदय में पुण्य की प्राप्ति के सतत प्रयास करते रहना चाहिए श्रद्धा रखो पुण्य को खत्म नहीं करना दूसरे को मत देखो ये जो कुछ भी मिला है पुण्य के उदय से मिला है यदि हमने पुण्य को खाकर खत्म कर दिया तो दुःख ही मिलेगा पुण्य के उदय में पुण्य को प्राप्त करने का पुरूषार्थ करते रहना चाहिए।

तप आत्म शुद्धि का मार्ग है : साध्वी श्री शांता कुमारी जी

अमित गोधा.शाबाश इंडिया

ब्यावर। जय चौथ भवन विनोद नगर में युग प्रधान,महातपस्वी, आचार्य महाश्रमण की सुशिष्या साध्वी श्री शांता कुमारी जी के सानिध्य में छवि रांका के 31 दिन उपवास के अवसर पर मासखमण तप अनुमोदना का कार्यक्रम आयोजित किया गया। तेरापंथ सभा के मंत्री रमेश श्रीश्रीमाल ने बताया कि नमस्कार मंत्र के साथ कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया। सिद्धि जैन द्वारा मंगलाचरण एवं जया सुराणा ने महिला मंडल की तरफ से तप अनुमोदना की गई। वरिष्ठ श्रावक रिद्ध करण श्रीश्रीमाल ने छंद के साथ और मनीष रांका ने अपनी भतीजी को इतनी कम आयु में मासखमण तपस्या करने की बधाई देते हुए आगे बढ़कर नया कीर्तिमान रचने की प्रेरणा प्रदान की। बहन खुशी रांका ने बहन के तप का गुणगान किया। गौतम गोखरू ने साध्वी प्रमुखा श्री जी के संदेश का वाचन किया। साध्वी तीर्थ प्रभा जी ने मुक्तको, महिला मंडल ने गीतिका के साथ तप का अनुमोदन किया। साध्वी ललित यशाजी ने सुंदर गीत के द्वारा बधाई दी। शासन श्री साध्वी चंद्रावती जी ने अपनी ओजस्वी वाणी द्वारा तप से संयम पथ पर अग्रसेन होने की प्रेरणा दी। साध्वी श्री शांता कुमारी जी ने तप को मंगलमय और आत्म शुद्धि का मार्ग बताते हुए जिनशासन के प्रभाव का हेतु बताते हुए छवि रांका को 31 उपवास के प्रत्याख्यान करवाये। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि भीलवाड़ा निवासी दिलीप जी रांका थे। मंत्री रमेश श्री श्री माल ने तप की अनुमोदना करते हुए आगंतुक सभी का आभार व्यक्त किया। संपूर्ण जैन समाज की उपस्थिति में कार्यक्रम का कुशल संचालन कवियत्री सलोनी भटेवरा ने किया। तेरापंथ सभा, महिला मंडल व युवक परिषद द्वारा तपस्वी को सम्मानित किया गया।

राज्य स्तरीय संस्था प्रधान लीडरशिप क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्रीमहावीरजी। कस्बे के यात्री निवास में शुक्रवार को राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद राजस्थान द्वारा आयोजित होने वाले छ दिवसीय संस्था प्रधान लीडरशिप क्षमता संवर्धन राज्य स्तरीय एसआरजी प्रशिक्षण कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन कार्यक्रम संपन्न हुआ संयुक्त निदेशक रामखिलाड़ी बैरवा ओर करौली जिला शिक्षा अधिकारी ने दीप प्रज्वलित कर विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम व्यवस्थापक हेमराज मीना ने बताया कि अतिरिक्त जिला परियोजना समानवत समग्र शिक्षा जिला करौली की मेजबानी में शुक्रवार को 6 दिवसीय संस्थाप्रधान क्षमता संवर्धन राज्य स्तरीय प्रक्षिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के उद्घाटन मुख्यअतिथि संयुक्त निदेशक रामखिलाड़ी बैरवा ओर कार्यक्रम की अध्यक्षता जीका शिक्षा अधिकारी माध्यमिक भरतलाल मीणा ने की।

रा उ मा वि घीलोठ की चार दीवारी का उद्घाटन हुआ एवं भूतपूर्व सांसद लाला काशीराम गुप्ता की 116 जयन्ती मनाई

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय घीलोठ की चारदीवारी का निर्माण प्रो. डा. मालती गुप्ता पूर्व विभागाध्यक्ष बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग सवाईमान सिंह मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल जयपुर के सहयोग से लाला काशीराम किस्तूरी देवी गुप्ता मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा करवाया गया ।जिसका उद्घघाटन 01-09-2023 को विद्यालय के निमार्ता, संस्थापक , दानदाता व सुप्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी कर्मयोगी भूतपूर्व सांसद परम श्रद्धेय स्व. लाला काशीराम जी गुप्ता की 116 वीं जयंति के अवसर बड़े हर्षोल्लास से किया गया।समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. सुनील रस्तोगी , प्रसिद्ध शिशु रोग विशेषज्ञ एवं निदेशक , निम्स अलवर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर , अलवर, विशिष्ट अतिथि सुश्री रेणु गुप्ता एम.डी. जे पी इंडस्ट्रीज मार्बल स्टोन अलवर, सुश्री अलका गुप्ता डायरेक्टर माडर्न हुंडई ,अलवर, एवं ध्रुव सत्य गुप्ता , एम.डी. , माडर्न हुंडई ,अलवर थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता परमानंद यादव, सरपंच , घीलोठ ने की।

प्रधानाचार्य कालूराम सिरोहीवाल द्वारा स्व. लाला काशीराम जी के जीवन चरित्र व उल्लेखनीय कार्यों पर प्रकाश डाला गया एवं कार्यक्रम में उपस्थित समस्त अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया तथा स्व. लाला काशीराम जी की सुपुत्री पूर्व प्रो. डॉ. मालती गुप्ता (सवाई मान सिंह मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल जयपुर) द्वारा विश्व प्लास्टिक सर्जरी दिवस पर विमोचित कविता ''आग और पानी'' के पोस्टर के माध्यम से सम्पूर्ण विद्यार्थियों, शिक्षकों व ग्रामीणों को आग से जल जाने पर किस प्रकार प्राथमिक उपचार किया जाये इस विषय पर जानकारी दी गई तथा प्रो. डॉ. मालती गुप्ता का सन्देश पढ़कर सुनाया। विद्यालय परिसर मे मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा स्व. रमन गुप्ता की स्मृति मे बास्केटबाल कोर्ट बनाने और छोटे बच्चो के लिए झूले लगवाने की घोषणा की गई। इस अवसर पर मेहताब सिंह चौहान पूर्व सरपंच प्रतिनिधि, रविंद्र प्रसाद पंचायत समिति सदस्य ,सुनील कुमार अध्यक्ष सहकारी समिति , अनुबाला चौहान व्याख्याता, अंजु , कविता, मधु, नवल सिंह, जय सिंह, सत्यवीर सिंह, दिनेश, दीपक, मुन्शीराम ,विनोद, सत्य नारायण , जोगेंद्र, राजेन्द्र मेहता, दीपक सोनी एवं समस्त स्टाफ और एसडीएमसी सदस्य सत्यवीर सिंह यादव, राकेश सिंह चौहान, वीर सिंह मिस्त्री, सुरेश एवं लक्ष्मण प्रसाद सेवानिवृत उप निदेशक शिक्षा विभाग, परशराम सेवानिवृत अध्यापक , धर्मवीर , देवदत्त उपस्थित थे क

जो हमेशा साथ रहे, उसी का साथ दो : आचार्य विनिश्चयसागर जी

मनोज नायक.शाबाश इंडिया

भिण्ड। हमारे पास दो प्रकार के बगीचे हैं । एक आत्मा रूपी दूसरा शरीर रूपी । इन दोनों बगीचों के लिए हमारे पास खाद सामग्री सीमित है, पानी भी सीमित है । अब आप उस सामग्री को आत्मा रूपी बगीचे में डाल दो या शरीर रूपी बगीचे में डाल दो। अगर शरीर का ध्यान रखोगे तो आत्मा सूख जाएगी और आत्मा का ध्यान रखोगे तो शरीर सूख जाएगा। यदि आत्मा का उपकार करोगे तो शरीर का अपकार होगा और शरीर का उपकार करोगे तो आत्मा का अपकार होगा। उक्त विचार गणाचार्य श्री विरागसागर महाराज के परम प्रिय शिष्य बक्केशरी आचार्य श्री विनिश्चयसागर महाराज ने ऋषभ सत्संग भवन में धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। पूज्य गुरुदेव ने कहा कि गुरु कहते हैं कि शरीर तो हमारा है ही नहीं। वह तो यहीं छूट जायेगा। इसीलिए जो हमेशा साथ रहे, उसी का साथ दो, उसी का ध्यान रखो । अगर आत्मा का उपकार करोगे तो आपको वह सुख मिलेगा जो आपको आज तक प्राप्त नहीं हुआ। आत्मा का उपकार करने के लिए अपने ज्ञान को समीचीन करना होगा । अहिंसा धर्म का पालन करना होगा । हमेशा सत्य बोले, झूठ न बोलें, चोरी न करें, अनावश्यक रूप से वस्तुओ का संग्रह न करें ।

धर्म की रक्षा हमारा कर्तव्य, धर्मरक्षा के बंधन बनाएं मजबूत : इन्दुप्रभाजी म.सा.

जिनशासन के प्रति रखे श्रद्धा मुश्किल कार्य भी हो जाएंगे आसानः दर्शनप्रभाजी म.सा.

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। असहाय एवं निर्बल की रक्षा करने के साथ हमे अपने धर्म की भी रक्षा करनी है। धर्म की रक्षा हमे स्वयं सजग एवं सचेत रहकर करनी होगी। हम ही हमारे धर्म की पालना नहीं करेंगे ओर नियमों की अनेदखी करेंगे तो धर्म की रक्षा नहीं हो सकती है। रक्षाबंधन पर्व हमे धर्म की रक्षा का बंधन भी मजबूत करने की प्रेरणा देता है। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में शुक्रवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने नियमित चातुर्मासिक प्रवचन में व्यक्त किए। उन्होंने जैन दर्शन एवं धर्म के अनुसार रक्षाबंधन के महत्व पर चर्चा करते हुए बताया कि किस तरह कंपिलपुर के राजा विष्णुकुमार ने संयम जीवन स्वीकार करने के बाद जैन धर्म की रक्षा के लिए अपना स्वर्स्व झोंक दिया। विष्णुकुमार मुनि ने मास-मास खमण की तपस्या की ओर इतनी कठोर साधना से उन्हें कई विशिष्ट लब्धियां प्राप्त हो गई। उन्होंने कहा कि यदि हम समाज ओर धर्म की रक्षा नहीं करे ओर किस तरह का तप-त्याग भी नहीं करे तो जैन धर्म में जन्म लेना सार्थक नहीं हो सकता। धर्मसभा में मधुर व्याखयानी दर्शनप्रभाजी म.सा. ने कहा कि हम कहने के लिए जैन हो जाए पर जिनशासन में श्रद्धा नहीं रखे तो जैन कहलाना सार्थक नहीं हो सकता। हमे अपने धर्म ओर दर्शन के प्रति श्रद्धा रखनी चाहिए। श्रद्धा एवं आस्था के साथ किया जाने वाला कार्य सफल होता है। बिना श्रद्धा के कोई भी कार्य करेंगे तो वह समुचित फल नहीं दे पाएगा। जिनशासन के प्रति श्रद्धा के कारण ही श्रावक-श्राविकाएं इतनी कठोर तप साधना कर पा रहे है। श्रद्धाभाव रखने से हमारे मनोबल में भी वृद्धि होती है ओर कई बार इसी के चलते मुश्किल लगने वाला कार्य भी आसान हो जाता है। कई तपस्वी जिनके बारे में ये मानते थे कि उपवास भी इनके लिए कठिन होगा पर उनकी अटूट श्रद्धा एवं समर्पण भाव के चलते वह अठाई या उससे भी बड़ी तपस्या सफलतापूर्वक पूर्ण कर लेते है। इसलिए हमारे धर्म के बारे में कोई कुछ भी कहे हमे अपनी श्रद्धा को कमजोर नहीं होने देना है। धर्मसभा में आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा., तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा., आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा., तरूण तपस्वी हिरलप्रभाजी म.सा. का भी सानिध्य रहा। धर्मसभा का संचालन युवक मण्डल के मंत्री गौरव तातेड़ ने किया। अतिथियों का स्वागत श्री अरिहन्त विकास समिति द्वारा किया गया। धर्मसभा में भीलवाड़ा शहर एवं आसपास के विभिन्न क्षेत्रों से पधारे सैकड़ो श्रावक-श्राविकाएं मौजूद रहे।

तपस्वियों का सम्मान, अनुमोदना में गूंजे जयकारे

रूप रजत विहार में गतिमान महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा के चातुर्मास में तपस्या की गंगा अविरल प्रवाहित हो रही है। इसके तहत शुक्रवार को धर्मसभा में सुश्राविका निर्मला मुरड़िया के 16 उपवास की तपस्या पूर्ण करते हुए प्रत्याख्यान लिए। सुश्राविका मोनिका बोहरा, पूनम संचेती, सपना तातेड़, रेखा कोठारी एवं सुश्रावक प्रवीण बोहरा ने बुधवार को 9-9 उपवास तप के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। इनमें से तपस्या पूर्ण करने पर तपस्वी निर्मला मुरड़िया, सपना तातेड़ एवं रेखा कोठारी का श्री अरिहन्त विकास समिति द्वारा स्वागत-सम्मान किया गया। तपस्वियो का सम्मान तप साधना का भाव जताने वाले श्रावक-श्राविकाओं ने किया। तपस्वियों की अनुमोदना में रूप रजत विहार में हर्ष-हर्ष, जय-जय के स्वर गूंजायमान हो उठे। साध्वीवृन्द ने तपस्वियों की अनुमोदना करते हुए कहा कि ऐसे तपस्वी जिनशासन का गौरव बढ़ा रहे है। धर्मसभा में पूज्य दर्शनप्रभाजी म.सा. ने कहा कि हमने 12 से 19 सितम्बर तक मनाए जाने वाले पर्वाधिराज पर्युषण पर्व की तैयारियां शुरू कर दी है।

हस्तिनापुर सोनागिरजी तीर्थ यात्रा का दल हुआ रवाना

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई । जैन सोशल ग्रुप प्रज्ञा निवाई के तत्वावधान में आचार्य विशुद्ध सागर महाराज के मंगल आशीर्वाद से हस्तिनापुर सोनागिरजी तीर्थ यात्रा गाजे बाजे के साथ रवाना हुई। यात्रा संघ के संयोजक विमल जौंला ने बताया कि शुक्रवार की सुबह हस्तिनापुर सोनागिरजी तीर्थ यात्रा को विज्ञा तीर्थ कमेटी के कार्याध्यक्ष सुनील भाणजा एवं विज्ञाश्री चातुर्मास कमेटी अध्यक्ष महेन्द्र चंवरिया ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके बाद महावीर प्रसाद छाबड़ा ताराचंद बोहरा विमल सोगानी महेंद्र चंवरिया पदम टोंग्या महावीर प्रसाद जगतपुरा सुरेश बड़ागांव सुरेश सर्राफ प्रेमचंद सोगानी रमेश सर्राफ विमल बड़ागांव ताराचंद भाणजा सहित सभी यात्रियों का जैन सोशल ग्रुप प्रज्ञा के पदाधिकारियों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। जौंला ने बताया कि निवाई से गाजे बाजे से रवाना होकर अतिशय क्षेत्र तिजारा, तीर्थ क्षेत्र अष्टापद, ऋषभ विहार दिल्ली में विराजमान आचार्य श्री सुनील सागर महाराज, तीर्थ क्षेत्र बड़ागांव बागपत त्रिलोक तीर्थ, भगवान शांतिनाथ जी की जन्मस्थली हस्तिनापुर, बड़ौत-उत्तर प्रदेश में विराजमान आचार्य विशुद्ध सागर महाराज, तीर्थ क्षेत्र मथुरा वृन्दावन जम्बूस्वामी, छीपीटोला आगरा में विराजमान जैन मुनि साक्षी सागर महाराज एवं सुधा सागर महाराज, तीर्थ क्षेत्र सोनागिरजी, जहाजपुर प्रणेता गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी, तीर्थ क्षेत्र मुरैना, एवं अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी सहित कई तीर्थ क्षेत्रों एवं जैन संतों के दर्शन करेंगे।जौंला ने बताया कि यात्रा में जाने वाले सभी यात्री दिगम्बर जैन प्रतिमाओं की पूजा अर्चना करके जैन धर्म की प्रभावना करेंगे।

गुरु विद्या में बड़ी ताकत होती है : गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ का साधनामय चातुर्मास विविध धार्मिक अनुष्ठान एवं भक्तिमय आराधना के साथ संपन्न हो रहा है । श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी के शांतिनाथ चैत्यालय में भक्तों ने धार्मिक भजनों के साथ मंगलमय भक्ति की । इसी दौरान आज की शान्तिधारा करने का सौभाग्य संतकुमार कासलीवाल टोडारायसिंह वालों ने प्राप्त किया । मालपुरा के गुरु भक्तों ने मिलकर गुरू माँ की आहारचर्या कराने का परम सौभाग्य प्राप्त किया। तत्पश्चात गुरु मां ने भक्तों को कल्याणकारी उपदेश देते हुए कहा कि - गुरु के मन्त्र विद्या में बड़ी ताकत होती है जो विद्या पुस्तक में नहीं मिलती , वो गुरु के अनुभव व ज्ञान के माध्यम से सहज ही प्राप्त होती है जिसके सिर पर गुरु का हाथ होता है , दुनिया भी उसके साथ हुआ करती है । बस अपने अंदर श्रद्धा भक्ति होनी चाहिए , तो फिर कैसी भी परिस्थिति क्यों न हो गुरु हमेशा अपने साथ होते हैं ।

रेल आवासों के मरम्मत के लिए एक करोड़ राशि के कार्यों को मिली स्वीकृति

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया

सहायक मंडल इंजीनियर गंगापुर सिटी के कार्यक्षेत्र में सिविल जॉन नंबर 10 के तहत इस वर्ष रेल आवासों एवं रेलवे कॉलोनी के मरम्मत कार्य के लिए आज एक करोड़ राशि के कार्यों के लिए सहमति बन गई है। आज सहायक मंडल इंजीनियर कार्यालय में सहायक मंडल इंजीनियर अनिल कुमार जैन की अध्यक्षता में हुई सिविल जॉन वर्क 2023/24 की मीटिंग में मलारना निमोदा नारायणपुर टटवाड़ा लालपुर उमरी गंगापुर सिटी छोटी उदई आदि रेलवे स्टेशन पर स्थित रेल आवासों एवं रेलवे कॉलोनीयों के मरम्मत कार्यों के विषय में चर्चा की गई। वर्ष 2023/24 में मरम्मत कार्यों की प्राथमिकता सूची सर्वसम्मति के साथ बनाई गई। वेस्ट सेंट्रल रेलवे एम्पलाइज यूनियन के मंडल उपाध्यक्ष नरेंद्र जैन ने बताया कि इस मीटिंग में सर्वसम्मति से समपार फाटक संख्या 179 टी से रेलवे स्टेशन एवं कैरिज कॉलोनी तक की सड़कों का निर्माण करवाने एवं सड़क मरम्मत कार्य करवाने, 40 क्वार्टर रेलवे कॉलोनी लोको कॉलोनी मयूर विहार कॉलोनी आदि की सड़कों की आवश्यक मरम्मत कार्य करवाने का निर्णय लिया गया। इसी प्रकार सभी रेलवे कार्यालय में महिला कर्मचारियों के लिए अलग से लेट बाथ बनवाने एवं जिन रेल आवासों में बाथरूम नहीं है उनमें बाथरूम बनवाने का भी निर्णय लिया गया। रेल आवास की पेंटिंग एवं पुताई कार्य दिवाली से पूर्व करवाने पर सहमति बन गई है। मीटिंग में रेलवे आवास में लैट्रिन बाथरूम किचन में टाइल लगवाने पानी की टंकी ,फेंसिंग, खिड़की दरवाजों की मरम्मत कार्य, छतों की आवश्यक मरम्मत कार्य, कोर्टयार्ड की रिपेयरिंग, सीवरेज सिस्टम की मरम्मत करवाने पर भी सहमति बन गई है। इसी प्रकार रेलवे कॉलोनी में वर्षा के कारण उग आई गाजर घास एवं खरपतवार को हटाने के लिए जल्दी ही कार्रवाई की जाएगी। छोटे स्टेशनों पर रहने के अयोग्य रेल आवासों को निरीक्षण करके अवन्डन घोषित किया जाएगा एवं आवश्यकता अनुसार मरम्मत भी करवाई जाएगी। रेलवे कॉलोनी के मै पार्कों का भी विकास कार्य किया जाएगा मंडल उपाध्यक्ष जैन ने बताया कि आज जॉन की मीटिंग में इन मरम्मत कार्यों के लिए सर्वसम्मति से प्राथमिकता सूची तैयार कर ली गई है। एवं मरम्मत कार्य जल्दी प्रारंभ हो सके इसके लिए कार्रवाई की जा रही है। इन सब मरम्मत कार्यों में सिविल वर्क पर लगभग 50 लख रुपए एवं स्टील वर्क ,वुडन वर्क, पुताई पेंटिंग एवं सड़क मरम्मत के कार्यों पर लगभग 50 लख रुपए की राशि के कार्य किए जाने प्रस्तावित है। आज सिविल जोन की मीटिंग में वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ की ओर से प्रकाश मीणा वरिष्ठ खंड इंजीनियर शहवाज अख्तर कार्यालय अधीक्षक लोकेश मीणा ने भी भाग लिया।

श्रीयांश कुमार सिंघई की पुस्तक "श्रावक धर्म सोपानम" का लोकार्पण

जयपुर. शाबाश इंडिया। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर परिसर में प्रोफेसर श्रीयांश कुमार सिंघई की सेवानिवृत्ति पर आयोजित समारोह में सिंघई लिखित पुस्तक ह्यश्रावक धर्म सोपानमह्ण का लोकार्पण राजस्थान के संस्कृत शिक्षा मंत्री बुलाकी दास कल्ला ने किया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. सुदेश कुमार शर्मा एवं पुस्तक के लेखक प्रो. श्रीयांश कुमार सिंघई समेत अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ श्रीधर मिश्र ने किया। इस अवसर पर बोलते हुए शिक्षा मंत्री कल्ला ने कहा कि जैन दर्शन एक विशिष्ट दर्शन है जिसमें समाज और जीवन के संचालन के अनेक महत्वपूर्ण सूत्र हमें देखने को मिलते हैं। प्रस्तुत पुस्तक का मैंने गहराई से अवलोकन किया है और मैं कह सकता हूं कि इसको लिखने में सिंघई जी ने अपने वर्षों की अर्जित ज्ञान साधना का भरपूर उपयोग किया है।

जो जैसा बोएगा वो वैसा ही पायेगा : मुनिराज विशल्य सागर जी महाराज

भागलपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन मंदिर, भागलपुर में विराजमान मुनिराज विशल्य सागर जी महाराज कहते हैं की भूमि में हम जैसा बीज बोते हैं वैसा ही अंकुरित होता हैं। यदि गुलाब बोया हैं तो गुलाब ही खिलता हैं और बबूल बोया हैं तो बबूल ही खिलता हैं, यह तुम्हारे ऊपर निर्भर हैं की तुम क्या बोते हो। भगवान महावीर कहते हैं की ऐसा न केवल भूमि में होता हैं बल्कि मनुष्य के मनोमष्तिक में भी होता हैं। हम अपने मनोमष्तिक में जैसा विचारों का बीजारोपण करते है,वही विकसित होता हैं। यदि सद्धविचार का बीजारोपण होगा तो नियमता सद्गुणों का गुलाब महकेंगे ओर दुबीचारो का बीजारोपण करेंगे तो बुराइयों के कांटे प्रकट होंगे। हम अच्छे विचारों का अपने अंदर आरोपण करे। हमारा सोच जैसा होगा हमारा जीवन भी वैसा बनेगा।

प्रेषक विशाल पाटनी,भागलपुर

आपाके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com